GALAXY®

Fluthiacet-methyl 10.3% EC
Herbicide
(FOR INDIGENOUS MANUFACTURE AND USE)

Fluthiacet-methyl 10.3% EC is post-emergent, selective, contact herbicide, widely used for controlling broad leaf weeds in Soybean.

CHEMICAL COMPOSITION :

Fluthiacet Methyl active ingredient	:	10.30%w/w
Emulsifier (Ethoxylated fatty glyceride)	:	4.50%w/w
Emulsifier (Ethoxylated Tallow amine)	:	0.35%w/w
Surfactant (Alkyl Aryl sulphonic acid)	:	0.16%w/w
C 11 Solvent (Aromatic Solvent Naphtha)	:	Q.S.%w/w
Total	:	100.00%w/w

RECOMMENDATION : Fluthiacet -methyl 10.3% EC should be used as a foliar spray for the control of following weeds in Soybean crop.

Crop	Common name of weeds	Dosage/Hectare			Waiting Period in Days (Interval between last spray & Harvest)
		a.i. (g)	Formulation (ml)	Dillution in water (L)	
Soybean	*Commelina sp,* *Digera arvensis,* *Acalypha indica,* *Amaranthus virdis*	13.6	125	500	73

Specific Gravity : 1.06

Note : Co-pack contains Non-ionic surfactant (Blend of Acrylic polymer (10-30%) and polyethanoxy ether derivative (10-30%)] which is to be used @ 0.25% of spray solution at the time of spraying.

DIRECTION FOR USE: Measure the required quantity of the product and mix well with a small quantity of water. Add the remaining quantity of water and non-ionic surfactant [Blend of Acrylic polymer (10-30%) and polyethnoxy ether derivative (10-30%)] @ 0.25% spray solution and mix properly with thorough agitation. Use high volume application method with knapsack sprayer fitted with flat fan nozzle.

APPLICATION : The herbicide should ONLY be applied as a foliar spray. For best results apply Fluthiacet-methyl 10.3% EC when the weeds are in 2 to 4 leaf stage generally 12 to 15 days after sowing. For best results ensure a uniform application of the spray solution over the area to be treated.

PRECAUTION : 1. Use only knapsack sprayer for application. 2. Do not broadcast or do not apply as a sand mix application. 3. Do not use cooking utensils for preparing spray. 4. Use stick for stirring the spray solution. 5. Wear hand gloves to avoid contact with the skin. 6. Also avoid inhalation and contact with eyes. 7. Wear protective clothing, gloves, mask, goggles, and boots while spraying and do not expose yourself to spray drift. 8. Do not blow nozzles with mouth.9. Do not eat, drink or smoke while handling or applying the product. 10. Do not store unused solution. Clean sprayer, buckets and other utensils with water daily after use thoroughly with soap and water. 11. Wash hands with soap and plenty of water and change clothes after the work is over. 12. Also wash the contaminated clothes. 13. Do not contaminate streams, ponds, waterways etc. by discharging left over spray materials into them or by cleaning sprayers, contaminated buckets etc. in them.14. In case of any sign of poisoning, immediately consult the doctor.

CAUTION : Highly toxic to fish and moderately toxic to fresh water invertebrate. Hence should not be used near water bodies or pisciculture area.

SPRAY EQUIPMENT & TANK CLEAN UP : Thoroughly clean all mixing spray equipment immediately following application by rinsing outside, inside of the tanks with clean water. Drain tank completely. Agitate for 15 minutes after adding water to fill tank completely and drain the tank. Again rinse with clean water and drain. Collect washing. Tank washing should be disposed in a safe manner to prevent environment/water contamination.

SYMPTOMS OF POISONING : The symptoms of poisoning by Fluthiacet-methyl are not known. Moderately irritant to eyes.

FIRST AID MEASURES : If ingested : If person is conscious and alert, rinse mouth with water and give 1 or 2 glass of water to drink. Never give anything by mouth to an unconscious person. Call the doctor. Do not induce vomiting until and unless desired by attending physician. **If inhaled :** Take the patient to fresh air and take care of body temperature. If patient is not breathing or breathing difficulty, give artificial respiration, preferable with mouth to mouth breathing. Consult a physician. **In case of Skin Contact :** Wash thoroughly the affected part of body with soap and plenty of water including hairs and under fingernails. If pain, redness or irritation persists, consult a doctor. All the contaminated clothes should be segregated and thoroughly washed with soap and water separately before use. **In case of Eye Contact :** Rinse gently with plenty of water at least for 15 minutes. If pain, irritation, redness or photophobia persists, consult eye specialist.

Maximum Residue Limit of Fluthiacet methyl on Soybean is fixed by FSSAI as 0.02 mg/kg.

Antidote : No specific antidote available . Treat Symptomatically.

Conditions to be specified for storage of herbicides : 1. The package containing herbicide shall be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles or shall be kept in separate almirahs under lock and key depending upon the quantity and nature of the herbicides. 2. The rooms or premises means for storing herbicides shall be well built, dry, well-lit and ventilated and of sufficient dimension to prevent environmental contamination with vapour of herbicides.

Disposal of used packages, surplus, materials and washings of herbicides : 1. It shall be the duty of manufacturers, formulators of herbicides and operators to dispose packages or surplus materials and washing in a safe manners so as to prevent environmental or water pollution. 2. The used packages shall not be left outside to prevent their re-use. 3. The packages shall be broken and buried away from habitation.

Manufactured and Marketed by : **FMC India Private Limited,** TCG Financial Centre, 2nd Floor, C-53, Bandra Kurla Complex, Bandra (E), Bandra Suburban, Mumbai – 400098, Maharashtra, India. Factory : Survey No. 216/1 & 216/2, Village and Post : Chandrapura, Tal. Halol , Dist. Panchmahal- 389 350, Gujarat.

गेलेक्सी®

फलूथियासेट – मिथाइल १०.३% विलेय सान्द्रण
खरपतवारनाशक
(स्वदेशी उत्पादन एवं उपयोग के लिए)

फलूथियासेट – मिथाइल १०.३% विलेय सान्द्रण एक खरपतवार उगने के बाद प्रयोग किया जाने वाला, चुनिंदा, स्पर्शीय खरपतवारनाशक है जिसका व्यापक रूप से उपयोग सोयाबीन में चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण के लिए किया जाता है।

रासायनिक संघटन :

फलूथियासेट–मिथाइल सक्रिय तत्व	:	१०.३०% भार/भार
ईमल्सीफायर (ईथोक्सीलेटिड फैटी ग्लाईसराइड)	:	४.५०% भार/भार
ईमल्सीफायर (ईथोक्सीलेटिड टेलो एमाईन)	:	०.३५% भार/भार
सरफैक्टेंट (एल्काईल ऐराइल सल्फोनिक ऐसिड)	:	०.१६% भार/भार
सी–११ सोलवेंट (ऐरोमेटिक सोलवेंट नैफथा)	:	मात्रानुसार
कुल	:	१००.००% भार/भार

उपयोग के लिए सिफारिश : फलूथियासेट–मिथाइल १०.३% विलेय सान्द्रण का उपयोग फोलियर स्प्रे की तरह सोयाबीन की फसल में निम्नलिखित खरपतवारों के नियंत्रण के लिए किया जाना चाहिए।

फसल	खरपतवारों के सामान्य नाम	प्रति हेक्टेअर/मात्रा			प्रतिक्षा काल अंतिम छिड़काव तथा फसल काटने के बीच अंतराल (दिनों में)
		सक्रिय.तत्व (ग्रा.)	संरचना (मिली)	पानी की घोल (लीटर)	
सोयाबीन	कनकउआ स्पी., क्रेब घास, ऐकालिपा इंडिका, जंगली चौलाई	१३.६	१२५	५००	७३

घनत्व : १.०६

नोट : को–पैक नॉन–आयोनिक सरफेक्टेंट (ऐक्रेलिक बहुलक (१०–३०%) और पॉलीएथाक्सी ईथर व्युत्पन्न का मिश्रण (१०–३०%) युक्त है जिसका उपयोग ०.२५% स्प्रे मिश्रण की दर से छिड़काव के समय किया जाता है।

उपयोग के लिए निर्देश : खरपतवारनाशक की आवश्यक मात्रा लीजिये और इसे थोड़े से पानी के साथ अच्छी तरह मिलाइये। फिर इसमें शेष पानी तथा नॉन–आयोनिक सरफेक्टेंट (ऐकेलिक बहुलक (१०–३०%) और पॉलीएथाक्सी ईथर व्युत्पन्न का मिश्रण (१०–३०%) ०.२५% स्प्रे मिश्रण की दर से अच्छी तरह हिलाते हुए मिलाईये। छिड़काव के लिए उच्च आयतन उपयोग विधि का प्रयोग नैपसेक स्प्रेयर, जिसमें फ्लैट फैन नोज़ल लगा हो, के साथ करें।

उपयोग : खरपतवारनाशक का उपयोग केवल फोलियर स्प्रे की तरह होना चाहिए। अच्छे परिणामों के लिए फ्लूथियासेट–मिथाइल १०.३% विलेय सान्द्रण का उपयोग जब खरपतवार २ से ४ पत्ती की अवस्था में हो, सामान्यत: बुआई के १२ से १५ दिनों के बाद करना चाहिए। अच्छे परिणामों के लिए पूरे क्षेत्र में एकसमान छिड़काव करें।

सावधानियां : १. छिड़काव के लिए केवल नैपसेक स्प्रेयर का उपयोग करें। २. इसका बुरकाव न करें और न ही इसे रेत मिश्रण ऐप्लीकेशन की तरह उपयोग करें। ३. स्प्रे सोल्युशन बनाने के लिए खाद्य पदार्थ के बर्तनों का उपयोग न करें। ४. स्प्रे सोल्युशन हिलाने के लिए छड़ी का प्रयोग करें। ५. त्वचा को संपर्क बचाने के लिए हाथों में दस्ताने पहनें। ६. खरपतवारनाशक को सूंघने से बचें तथा आखों को इसके संपर्क से बचाएं। ७. छिड़काव करते समय सुरक्षित वस्त्र, मास्क, दस्ताने, गोगल्स और बूट पहनें और छिड़काव की फुहार के सामने न आएं। ८. नोजल्स में मुंह से फूंक न मारे। ९. खरपतवारनाशक का रख–रखाव या उपयोग करते समय खाना–पीना या धूम्रपान न करें। १०. बचे हुऐ सोल्युशन का संग्रहण न करें। खरपतवारनाशक के छिड़काव के बाद प्रतिदिन स्प्रेयर औरअन्य बाल्टियों बर्तनों को अच्छी तरह से साबुन एवं पानी से धोएं।११. हाथों को साबुन तथा खुले पानी से धोएं और छिड़काव के बाद कपड़े बदल लें। १२. दूषित वस्त्रों को भी धो लें। १३. बची हुई स्प्रे सामग्री को झरनों, तालाबों, नहरों आदि में बहाकर या धिड़काव यंत्रों, दूषित बाल्टियों आदि को उनमें धोकर उनको दूषित मत कीजिए। १४. विष के लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सक से सलाह लें।

सावधान : मछली के लिए अत्यधिक विषाक्त है और पानी की निकायों के लिए मध्यम विषाक्त है। इसलिये जहाँ मछली पालन होता हो एवं पानी की निकायों के पास इसका उपयोग नही किया जाना चाहिये।

छिड़काव यंत्र व टैंक की सफाई : छिड़काव के उपरान्त, सभी छिड़काव यंत्रों व घोलने के टैंक को अंदर व बाहर से साफ पानी से तुरंत साफ करें एवं धोवन को पूरी तरह से निकाल दें। टैंक को पुरा भरें फिर १५ मिनट तक खंगालें और खाली करें। फिर से साफ पानी से धोयें। सारी धोवन को एकत्र करें। सावधानी से छिड़काव यंत्र व घोलने के टैंक आदि के धोवन का निपटारा करें। जिससे पर्यावरण व जल का प्रदूषण न हो।

विष के लक्षण : फलूथियासेट–मिथाइल से विषाक्तता के लक्षण ज्ञात नही है। आखों के लिए माध्यमिक जलन होता है।

प्राथमिक चिकित्सा : निगलजाने पर : यदि व्यक्ति होश में और सतर्क हैं, तो अच्छे से पानी से कुल्ला कराये और १ या दो ग्लास भर के पानी पीलायें। यदि व्यक्ति बेहोश हो तो उस व्यक्ति को मुँह से कुछ न दें। डॉक्टर को बुलाएं। जबरदस्ती उल्टी न करायें जब तक डॉक्टर मोजूद ना हो। **सांसद्वारा :** मरीज को ताजी हवा में ले जाएं और शरीर के तपमान का ख्याल रखें। यदि रोगी को सांस लेने में कठिनाई हो तो, मुंह से मुंह सांस दें। एक चिकित्सक से परामर्श करें। **त्वचा से संपर्क :** त्वचा को शरीर के दूषित अंगो तथा बाल और नाखूनो को अच्छी तरह से साबून और पानी से धोएं। यदि शरीर में दर्द, जलन या लाली हो तो डॉक्टर को बुलायें। दूषित कपडों को अलग करके अच्छी तरह से साबून और पानी से धोएं। **आंखों के संपर्क:** आँखों को १५ मिनट तक साफ पानी से धोएं। यदि आँखों में दर्द, जलन, आँखे लाल हो जाए या फोटोफोबिया हो तो आँखों के डॉक्टर की सल्लाह लें।

सोयाबीन पर फलुथियेट मिथाइल की अधिकतम अवशेष सीमा एफएसएसएआई द्वारा ०.०२ मिलीग्राम/किग्रा निर्धारित की गई है।

विषनाशक : कोई विशिष्ट विषनाशक उपलब्ध नही हैं। लक्षणानुसार इलाज करें।

खरपतवारनाशक के संग्रह हेतू निर्धारित शर्ते : १. खरपतवारनाशक रखे हुए डिब्बों / पैकेजस को अलग कमरों या जगहों में उन कमरों या जगहों जिनमें अन्य वस्तुएं रखी जाती हैं, उनसे दूर रखना चाहिए या अलग अलमारियों में ताला–चाबी लगाकर खरपतवारनाशक की प्रमाण व प्रकार के हिसाब से रखें। २. जिस कमरे या अलमारी में खरपतवारनाशक का भंडारण करना हो वह अच्छी तरह बना हुआ, सूखा, प्रकाशमय, हवादार तथा पर्याप्त आकार का होना चाहिए जिससे खरपतवारनाशक के भाप से वातावरण प्रदूषित होने का खतरा न रहे।

उपयोग किए गए डिब्बों/पैकेजस, बचे हुए खरपतवारनाशक तथा साधनों के धोवन का निपटारा: १. यह खरपतवारनाशक निर्माता तथा उपयोगकर्ता का कर्तव्य हैं कि वह डिब्बों/पैकेजस या बची हुई खरपतवारनाशक तथा साधनों के धोवन का निपटारा सुरक्षित ढंग से करे जिससे वातावरण या पानी प्रदूषित न हो। २. उपयोग किए गए डिब्बों/पैकेजस को बाहर न फेंके जिससे उनका दुबारा प्रयोग न हो। ३. उपयोग किए गए डिब्बों/पैकेजस को तोड़कर आबादी से दूर जमीन में गाड़ दें।

निर्माता एवं विपणनकर्ता: **एफएमसी इंडिया प्राईवेट लिमिटेड,**
टीसीजी फाइनेंशियल सेंटर, २ री मंजिल, सी–५३, बांद्रा कुर्ला कॉम्पलेक्स,
बांद्रा (पूर्व), बांद्रा सबर्बन, मुंबई – ४०००९८, महाराष्ट्रा, भारत.
फैक्टरी : सर्वे नं.२१६/१ और २१६/२, गांव और पोस्ट : चंद्रपुरा, तालूका– हलोल, डिस्ट. पंचमहल– ३८९३५०, गुजरात.

गेलेक्सी

फलूथियासेट – मिथाइल १०.३% ईसी
तणनाशक
(स्वदेशी उत्पादन आणि वापरासाठी)

फलूथियासेट – मिथाइल १०.३% ईसी एक तण उगवल्या नंतर वापरले जाणारे, निवडक, स्पर्शिय तणनाशक आहे, ज्याचा व्यापक प्रमाणात वापर सोयाबीन मधे रूंद पानांच्या नियत्रंणात केला जातो.

रासायनिक संरचना :

फ्लूथियासेट – मिथाइल सक्रिय तत्व	:	१०.३०% व/व
इमल्सिफायर (इथॉक्सिलेटेड फॅटी ग्लाइसिराइड)	:	४.५०% व/व
इमल्सिफायर (इथॉक्सिलेटेड टालो अमाहन)	:	०.३५% व/व
सर्फेक्टेन्ट (अल्काइल अराइल सल्फोनिक ॲसिड)	:	०.१६% व/व
सी ११ सॉलेन्ट (अॅरोमॅटिक सॉल्वेन्ट नेपथापथा) प्रमाणानुसार	:	
एकूण	:	१००.००% व/व

शिफारस : फ्लूथियासेट – मिथाइल १०.३% ईसी चा वापर पर्णिय फवारणी म्हणून सोयाबीनच्या पीकात खालील तणांच्या नियत्रंणासाठी केला गेला पाहिजे.

पिक	नियंत्रीत होणारे तण	प्रमाण/हेक्ट			वाट पाहण्याचा कालावधी दिवस (शेवटची फवारणी ते कापणी मधिल अंतर)
		स.त. (ग्रॅ)	संरचना (मि.ली.)	सौम्य करण्या साठी पाणी (लि)	
सोयाबीन	कॉमलिना स्पी, डीजीरा अरवेन्सीस, एकालिफा इंडीका, अमरान्थस वीरीडीस	१३.६	१२५	५००	७३

विशिष्ट गुरूत्व : १.०६

नोंद : को – पॅक नॉन आयोनिक सर्फेक्टेन्ट (ब्लेन्ड ऑफ ॲक्रेलिक पॉलीमर (१०–३०%) आणि पॉलीएथानोक्सि इथर डेरिवेटीव चे मिश्रण (१०.३०%) सामिल अहे ज्याचा वापर ०.२५% फवारणी मिश्रणीच्या प्रमाणात फवारणीच्या केवी केला जाते.

वापरासाठी शिफारस : तणनाशकाचे आवश्यक प्रमाण घ्या आणि ते थोड्या पाण्यात व्यवस्थित मिलवा नंतर त्यात उरलेले पाणी व नॉन आयोनिक सर्फेक्टेन्ट (ब्लेन्ड ऑफ ॲक्रेलिक पॉलीमर (१०.३०%) आणि पॉलीइथालॉक्सी डेरिवेटीचे मिश्रण (१०.३०%)०.२५% फवारणी मिश्रणाच्या प्रमाणात व्यवस्थित हलवित मिसळा. फवारणीसाठी हाई वॉल्यूम उपयोग पध्दतीचा वापर नॅपसॅक स्प्रेयर, ज्यात फ्लॅट फॅन नोजल लावलेले असेल, अशा सोबत करा.

फवारणी : तणनाशकाचा वापर फक्त पार्णिय फवारणी म्हणून झाला पाहिजे. चांगल्या परिणामासाठी फ्लूथियासेट – मिथाइल १०.३०% ईसी फ्यूथियासेट मिथाईल चा वापर जेव्हा तण २ ते ४ पानांच्या अवस्थेत असेल, सामान्यत : पेरणीच्या १२ ते १५ दिवसांनी केला पाहिजे. चांगल्या परिणामासाठी संपूर्ण क्षेत्रात एकसमान फवारणी करावी.

खबरदारी : १. फवारणी साठी फक्त नॅपसॅक स्प्रेयरचाच वापर करा. २. ह्याची धुरळणी करू नये वा हे रेती मिश्रण ॲप्लीकेशनच्या प्रकारात वापरू नये. ३.फवारणीचे द्रावण तयार करण्यासाठी स्वयंपाकाची भांडी वापरू नयेत.४ .फवारणीचे द्रावण ढवळण्यासाठी काठीचा वापर करावा. ५. त्वचेशी संपर्क टाळण्यासाठी हातमोज्यांचा वापर करावा. ६. तसेच श्वासावाटे हुंगणे आणि डोळ्यांशी संपर्क टाळावा. ७. फवारणी करताना मुखवटा, गॉगल्स, बूट, असा संरक्षक पेहराव करावा आणि फवारणीचे तुशार अंगावर घेऊ नये. ८. नोझल्स तोंडाने फुंकु नये. ९. उत्पादनाची हाताळणी किंवा फवारणी करताना खाऊ पिऊ, चघळू किंवा धूम्रपान करू नये. १०. राहीलेल्या द्रावणाची साठवण करू नका. फवारणी यंत्रे, बादल्या व इतर भांडी काम झाल्यावर दररोज पाण्याने स्वच्छ करावीत. ११. हात साबण व भरपूर पाण्याने धुवा व काम झाल्यावर कपडे बदला. १२. संसर्ग झालेले कपडेही धुवावेत. १३. झरे, डबकी, नद्यांमध्ये उरलेले फवारणीचे द्रावण टाकून किंवा यंत्रे भांडी बादल्या वगैरे त्यामध्ये धुवून पाणी प्रदूषित करु नये. १४. विषबाधेची कोणतीही चिन्हे आढळल्यास ताबडतोब डॉक्टरांचा सल्ला घ्या.

खबरदारी : माशांसाठी खूपच अधिक विषारी आहे आणि माशांच्या पाण्यासाठी मध्यम विषारी आहे. म्हणूनच जेथे मत्स्य पालन होत असेल व पाण्याच्या प्रवाहाचा बाजूला ह्याचा वापर करू नये.

फवारणी उपकरण व टाकीची सफाई: फवारणी नंतर सर्व फवारणी यंत्र आणि फवारणी द्रावण बनविण्याच्या टाकीला आतून व बाहेरून पाण्याने त्वरित साफ करावे व धुण्याचे पाणी काढून टाकावे. टाकीला पूर्ण भरा पुन्हा १५ मिनिट साफ करा. नंतर स्वच्छ पाण्याने धुवा. सर्व धुण्याचे पाणी एकत्र करा. काळजीपूर्वक उपकरण धुतलेल्या पाण्याची विल्हेवाट लावा जेणे करून पर्यवरण व जलप्रदुषण होणार नाही.

विषबाधेची लक्षण : फ्लूथियासेट – मिथाइलचा विषबाधेची लक्षण माहीत नाही. डोळ्यांना थोडक्यात त्रासदायक.

प्रथमोपचार: जर गिळले गेल्यास: व्यक्ती शुध्दीवर असेल तर,पाण्याने तोंड स्वच्छ धुवा आणि १ वा २ ग्लास पाणी पिण्यास द्या.व्यक्ती जर बेशुध्द असेल तर तोंडाद्वारे काहीही देवू नये. डॉक्टरला बोलवा. जोपर्यंत उपस्थित चिकित्सका द्वारे उल्टी करण्यास सांगितले जात नाही तो पर्यंत उल्टी करु नये. जर श्वासाद्वारे आत गेल्यास: रूग्णास मोकळ्या हवेत आणा आणि शरीर तापमानावर लक्ष ठेवा. जर रूग्ण श्वास घेत नसेल वा श्वास घेण्यास त्रास होत असेल तर कृत्रिम श्वसन द्या, शक्यतो तोंडाने तोंडस श्वांस द्या .चिकित्सकाचा सल्ला घ्या .जर त्वचेशी संपर्क झाल्यास: शरीराशी संपर्क झालेला भाग साबण व भरपूर पाण्याने धुवा, यासह केस व नखे असतील, जर वेदना, लालसरपणा वा जळजळ कायम राहील्यास डॉक्टरचा सल्ला घ्या सर्व दूषित झाळेले कपडे वेगवेगळे आणि वापर करण्यापूर्वी व्यवस्थित पणे साबण व पाण्याने वेगळे धुतले पाहिजेत. जर डोळ्यांशी संपर्क झालास: तर डोळे भरपूर पाण्याने जवळ–जवळ १५ मिनिटे स्वच्छ धुवा, जर वेदना, जळजळ सहन होत नसेल तर नेत्र चिकित्सकाचा सल्ला घ्या.

सोयाबीनवर फ्लुथिआट मेथिलची जास्तीत जास्त अवशेष मर्यादा एफएसएसएआईने ०.०२ मिग्रॅ / किग्रॅ इतकी निश्चित केली आहे.

औषधोपचार: कोणताही खास उपचार ज्ञात नाही. लक्षणानुसार उपचार करा.

तणनाशकाच्या साठवणीसाठी सुचविलेल्या अटी: १. तणनाशकाचे डब्बें वेगळ्या खोलीत किंवा आवारात ठेवावे. जीथे इतर गरजेच्या वस्तु ठेवल्या जात नाही. कपाटात साठवतांनी तणनाशकाच्या प्रकार आणि अकारमानानुसार सुद्धा हीच काळजी घेणे आवश्यक आहे. २. ज्या खोलीत वा जागेत तणनाशकाची साठवण करायची असेल ती मजबूत बांधणीची, कोरडी, भरपूर उजेडाची आणि हवा खेळती असणारी आणि पुरेशी लांब–रूंद असावी त्यामुळे तणनाशकाच्या वाफांनी होणारे प्रदुषण टळेल.

वापरलेली पॅकेजिस, उरलेले द्रावण, फवारणीचे व तणनाशकाचे पाणी यांची विल्हेवाट: १. किटकनाशक उत्पादकाचे आणि हाताळणाऱ्यांचे कर्तव्य आहे की पॅकेजिस किंवा उरलेले द्रावण किंवा फवारणीची उपकरणे धुतलेले पाणी यांची विल्हेवाट पर्यावरण किंवा पाणी प्रदुषित होणार नाही अशा सुरक्षित पद्धतीने लावावी. २. पुनर्वापर टाळण्यासाठी रिकामी पॅकेजिस उघड्यावर टाकू नयेत. ३. रिकामी पॅकेजिस मोडून–तोडून वस्तीपासून दूर जागी जमिनीत खोल पुरावावेत.

निर्माता आणि विक्रेता: **एफएमसी इंडिया प्राईवेट लिमिटेड,**
टीसीजी फाइनेंशियल सेंटर, २ रा माळा, सी–५३, बांद्रा कुर्ला कॉम्पलेक्स,
बांद्रा (पूर्व), बांद्रा सबर्बन, मुंबई – ४०००९८, महाराष्ट्रा, भारत.
फॅक्टरी : सर्वे नं. २१६/१–२१६/२, गाव आणि पोस्ट : चंद्रापुर, तालूका: हलोल,
जिल्हा: पंचमहल–३८९३५०, गुजरात.

ગેલેક્સી®

ફલથિએસેટ-મિથાઈલ ૧૦.૩% ઈસી
નીંદણનાશક
(સ્વદેશી ઉત્પાદકો તથા ઉપયોગ માટે)

ફલથિએસેટ-મિથાઈલ ૧૦.૩% ઈસી અંકુરો ઊગે તે પહેલાં વાપરવાનું, પસંદગીક્ષમ, સંસ્પર્શી નીંદણનાશક છે, જેનો સોયાબીનમાં પહોળા પાનનાં નીંદણોને નિયંત્રિત કરવા માટે વ્યાપક પણે ઉપયોગ કરવામાં આવે છે.

રાસાયણિક સંયોજનઃ

ફલથિએસેટ-મિથાઈલ સક્રિય ઘટક	:	૧૦.૩૦% વ/વ
ઈમલ્સિફાયર (એથોક્સિલેટેડ ફેટી ગ્લીસરાઈડ)	:	૦૪.૫૦% વ/વ
ઈમલ્સિફાયર (એથોક્સિલેટેડ ટેલો એમાઈન)	:	૦.૩૫% વ/વ
સર્ફેક્ટન્ટ (આલ્કાઈલ એરીલ સલ્ફોનિક એસિડ)	:	૦.૧૬% વ/વ
સી-૧૧ સોલ્વન્ટ (એરોમેટિક સોલ્વન્ટ નાપ્થા)	:	ક્યુ. એસ. વ/વ
કુલ	:	૧૦૦.૦૦ વ/વ

ઉપયોગ અંગે ભલામણઃ સીધું બીજારોપણ કરેલ ડાંગરમાં નિમ્નલિખિત નીંદણો માટે પર્ણાચ્છાદન છંટકાવ તરીકે મેટામિફોપ ૧૦% ઈસીનો ઉપયોગ કરવો જોઈએ.

પાક	નિયંત્રિત નીંદામણો	માત્રા/હેક્ટર			છેલ્લા છંટકાવ અને લણણી વચ્ચેનો પ્રતીક્ષા સમય
		સ.ઘ. (ગ્રા.)	ફોર્મ્યુલેશન (મિ.લી.)	ભેળવવા માટે પાણી (લી)	
સોયાબીન	શીશમૂળી, કણજરો, ગાજરિયું ઘાસ, ચૌલાઈ	૧૩.૬	૧૨૫	૫૦૦	૭૩

સાપેક્ષ ઘટત્વાંકઃ ૧.૦૬

નોંધઃ સાથેના પેકમાં નોન-આયોનિક સર્ફેક્ટન્ટ (એક્રીલિક પોલીમર (૧૦-૩૦%) અને પોલીએથાનોક્સી ઈથર ડીરાઈવેટિવ (૧૦-૩૦%)નું મિશ્રણ છે), જેનો ઉપયોગ છંટકાવ વખતે ૦.૩૫% દરે કરવો જોઈએ.

વપરાશ અંગે નિર્દેશઃ ઉત્પાદનની આવશ્યક માત્રા માપો અને તેમાં થોડા પ્રમાણમાં પાણી ઊમેરીને સારી રીતે ભેળવો. બાકી રહેતું પાણી તથા ઊમેરો નોન-આયોનિક સર્ફેક્ટન્ટ (એક્રીલિક પોલીમર (૧૦-૩૦%) અને પોલીએથાનોક્સી ઈથર ડીરાઈવેટિવ (૧૦-૩૦%)નું મિશ્રણ ૦.૩૫% દરે ઊમેરો અને સારી રીતે હલાવીને ભેળવો. ફ્લેટ ફેન નોઝલ લગાડેલા નેપસેક સ્પ્રેયર વડે ઉચ્ચ માત્રામાં છંટકાવની પદ્ધતિનો ઉપયોગ કરવો.

વપરાશઃ નીંદણનાશકનો ઉપયોગ માત્ર પર્ણાચ્છાદન છંટકાવ તરીકે જ થવો જોઈએ. શ્રેષ્ઠ પરિણામો માટે, વાવણી પછી સામાન્યપણે યોગાનુયોગ ૧૦ થી ૧૫ દિવસે જ્યારે ઘાસ ૨-૩ પાનના તબક્કામાં હોય ત્યારે ફલથિએસેટ-મિથાઈલ ૧૦.૩% ઈસીનો ઉપયોગ કરવો. શ્રેષ્ઠ પરિણામો માટે ઉપચાર કરવાના વિસ્તાર પર એકસમાનપણ છંટકાવ થાય એ સુનિશ્ચિત કરવું.

સાવચેતીઓ : ૧.) છંટકાવ માટે કેવળ નેપસેક સ્પ્રેયરનો જ ઉપયોગ કરવો. ૨) હવામાં ન ફેલાવવું કે રેતી સાથે ભેળવીને પ્રસરાવવું નહીં. ૩) છંટકાવ માટેનું દ્રાવણ તૈયાર કરવા માટે રસોઈના વાસણોનો ઉપયોગ ન કરો. ૪) છંટકાવ માટેના દ્રાવણને હલાવવા માટે નાની લાકડીનો ઉપયોગ કરો. ૫) ત્વચા સાથેનો સંપર્ક ટાળવા માટે હાથમોજાં પહેરો. ૬) શ્વાસમાં અને આંખોમાં ન જાય એની ખાસ કાળજી લો. ૭) સુરક્ષા માટે જરૂરી પહેરવેશ, માસ્ક, ચશ્મા, બુટ વગેરેનો છંટકાવ દરમિયાન ઉપયોગ કરો અને છંટકાવની દિશામાં ખુલ્લા થઈને ન ફરો. પવનની જ દિશામાં છંટકાવ કરો. ૮) નોઝલને મુખથી સાફ ન કરો. ૯) છંટકાવ કરતી વખતે અથવા દ્રાવણ તૈયાર કરતી વખતે ખાવા, પીવાનું, ચાવવાનું અને ધુમ્રપાન ટાળો. ૧૦) ન વપરાયેલા દ્રાવણનો સંગ્રહ ન કરો. છંટકાવ સાધન, બાલટી અને બાકી વાસણ કામ પુર થયાં પછી દરરોજ પાણીથી ધોઈ નાખો. ૧૧) કામ પુરું થયાં પછી હાથને સાબુથી ઘસી ઘસીને પુષ્કળ પાણીથી ધોઈ નાખો તથા કપડાં બદલી લો. ૧૨) તેમ જ દુષિત થયેલા કપડાને પણ ધોઈ નાખો. ૧૩) છંટકાવના બાકી બચેલા દ્રાવણને અથવા સાફ સફાઈ કરેલ દ્રાવણના વાસણોના ધોવાણને અથવા સ્પ્રેયર અને બકેટ્સને સાફ કર્યાં બાદ એના ધોવાણને ઝરણા, તળાવ કે પાણી વહેવાના માર્ગોમાં નાખી એને દુષિત ન કરો. ૧૪) ઝેર ચઢયાંના લક્ષણો જણાય તો તરત જ ડૉક્ટરનો સંપર્ક કરો.

ચેતવણીઃ માછલીઓ માટે આ ઉત્પાદન વિષાક્ત છે, તેથી આ ઉત્પાદનનો જળાશયોમાં નિકાલ કરવો નહીં.

છંટકાવનાં સાધન અને ટાંકીની સફાઈ : ટાંકીની બહારની, અંદરની બાજુ ચોખ્ખા પાણીથી ધોઈ, સાફ કરીને, ઉપયોગ કર્યા પછી તરત સઘળાં મિશ્રણ કરવાનાં અને છંટકાવનાં સાધન સંપૂર્ણપણે ચોખ્ખાં કરીનાં ખવાં. ટાંકી સંપૂર્ણ ખાલી કરો. ટાંકી સંપૂર્ણ ભરવા માટે પારી ઉમેર્યા પછી ૧૫ મિનિટ સુધી હલાવો અને ટાંકી ખાલી કરો. ફરીવાર, ચોખ્ખા પાણીથી ધોઈ, સાફ કરો અને ખાલી કરો. ધોવણ એકઠું કરો. ટાંકીના ધોવણનો પર્યાવરણ/જળ પ્રદૂષણ રોકવા માટે સલામત રીતમાં નિકાલ કરવો જોઈએ.

ઝેરની અસરનાં લક્ષણોઃ ફલથિએસેટ-મિથાઈલના ઝેરની અસરનાં લક્ષણો જાણમાં નથી. આંખોમાં મધ્યમ બળતરા ઉપજાવી શકે છે.

પ્રાથમિક સારવાર : જો ગળી જવાયું હોય તો : વ્યક્તિ ભાનમાં હોય અને સતર્ક હોય તો, પાણી વડે મોઢું ધૂઓ અને ૧ અથવા બે ગ્લાસ પાણી પાણી પીવા આપો. બેશુધ વ્યક્તિને ક્યારેય કંઈપણ મોં વાટે ન આપવું. ડૉક્ટરનો બોલાવો. સારવાર આપનારા ડૉક્ટરની ઈચ્છા ન હોય ત્યાં સુધી ઊલટી કરાવવા પ્રયાસ ન કરવો. જો શ્વાસમાં આવ્યું હોય તો : દરદીને તાજી હવામાં ખસેડવો અને તેના શરીરના ઉષ્ણતામાનનું ધ્યાન રાખવું. જો દરદી શ્વાસ ન લેતો હોય અથવા શ્વાસોચ્છવાસ મુશ્કેલીપૂર્વક થતો હોય તો, કૃત્રિમ રીતે શ્વાસોચ્છવાસ આપવો. ચિકિત્સકની સલાહ લેવી. જો ત્વચાને સ્પર્શ્યું હોય તો : શરીરના અસરગ્રસ્ત અંગોને, વાળ તથા આંગળીઓના નખની નીચે સહિત, સાબુ અને પુષ્કળ પાણી વડે સાફ કરો. જો પીડા, લાલાશ અથવા બળતરા ચાલુ રહે તો, ડૉક્ટરની સલાહ લેવી. બધાં દૂષિત વસ્ત્રો અલગ પાડવાં અને ઉપયોગમાં લેતાં પહેલાં અલગથી સાબુ અને પાણી વડે સારી રીતે ધોવાં. જો આંખોમાં પડ્યું હોય તો : પુષ્કળ પ્રમાણમાં પાણી વડે ઓછામાં ઓછી ૧૫ મિનિટ માટે આંખોને હળવાશપૂર્વક ધોવી. જો પીડા, બળતરા, લાલાશ અથવા ફોટોફોબિયા ચાલુ રહે તો, સ્પેશિયાલિસ્ટની સલાહ લેવી.

સોયાબીન પર એફએસએસએઆઈ દ્વારા નિશ્ચિત કરવામાં આવેલી ફલથિએસેટ મિથાઈલની અધિકતમ અવશેષ મર્યાદા ૦.૦૨ મિગ્રા/કિગ્રા છે.

ઝેરનું મારણઃ કોઈ ચોક્કસ મારણ ઉપચાર નથી. લક્ષણો મુજબ ઉપચાર કરવો.

નીંદણનાશકોના સંગ્રહ માટે સૂચિત કરવાની શરતોઃ ૧) નીંદણનાશકો ધરાવતાં પૅકેજીસ બીજી ચીજવસ્તુઓ સંગ્રહવા માટે વપરાતાં ઓરડાઓ અથવા જગ્યાથી દૂર અલગ ઓરડાઓ અથવા જગ્યાઓમાં સંગ્રહવાં અથવા નીંદણનાશકોના જથ્થા અને પ્રકાર ઉપર આધાર રાખીને અલગ કબાટોમાં તાળાં ચાવીમાં બંધ કરીને રાખવાં. ૨) નીંદણનાશકો સંગ્રહવા માટેનાં ઓરડા અથવા જગ્યા સારાં બાંધેલાં, સૂકાં, પ્રકાશમય અને હવાદાર તથા પૂરતી મોકળાશવાળાં હોવાં જોઇએ જેથી નીંદણનાશકોની બાફથી પર્યાવરણ દૂષિત થતું અટકાવી શકાય.

નીંદણનાશકોનાં વપરાયેલાં પૅકેજીસ, વધારાની સામગ્રી તથા ધોવાણોનો નિકાલ : ૧) નીંદણનાશકોના ઉત્પાદકો, તૈયાર કરનારાઓ અને સંચાલકોની એ ફરજ રહેશે કે પૅકેજીસ અથવા વધારાની સામગ્રી અને ધોવાણોનો એવી સલામત રીતમાં નિકાલ કરવામાં આવે જેથી પર્યાવરણનું અથવા જળ પ્રદૂષણ થતું અટકે. ૨) વપરાયેલાં પૅકેજીસ તેમનો ફરીથી ઉપયોગ થતો રોકવા માટે બહાર મૂકવાં નહીં. ૩) પૅકેજીસ ભાંગી નાંખવાં અને વસતિથી દૂર દાટી દેવાં.

ઉત્પાદન તથા વચાણકર્તાઃ **એફ એમ સી ઈંડિયા પ્રાઈવેટ લિમિટેડ,**
ટીસીજી ફાઈનૅંશિયલ સૅંટર, 2 જા માળે, સી -53, બાંદ્રા કુર્લા કોમ્પલેક્સ,
બાંદ્રા (પૂર્વ), બાંદ્રા સબર્બન, મુંબઈ - 400098, મહારાષ્ટ્ર, ભારત.
ફૅક્ટરી : સર્વે નં. ૨૧૬/૧ અને ૨૧૬/૨, ગામ અને પોસ્ટઃ ચંદ્રાપુર, તાલુકો હલોલ ,
જિલ્લોઃ પંચમહાલ- ૩૮૯૩૫૦, ગુજરાત.

ਗਾਲੇਕਸੀ

ਫ਼ਲੂਥੀਆਸੇਟ-ਮੇਥਾਈਲ ੧੦.੩% ਈਸੀ
ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ
(ਦੇਸੀ ਨਿਰਮਾਣ ਅਤੇ ਉਪਯੋਗ ਲਈ)

ਫ਼ਲੂਥੀਆਸੇਟ-ਮੇਥਾਈਲ ੧੦.੩% ਈਸੀ ਇਕ ਉੱਗਣੋ ਬਾਅਦ ਵਾਲਾ, ਚੋਣਾਤਮਕ, ਸਪੱਰਸ਼ੀ ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਹੈ ਜੋ ਸੋਇਆਬੀਨ ਵਿੱਚ ਚੌੜੇ ਪੱਤੇ ਵਾਲੇ ਨਦੀਨਾਂ'ਤੇ ਕਾਬੂ ਪਾਉਣ ਲਈ ਵੱਡੇ ਪੈਮਾਨੇ'ਤੇ ਵਰਤਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

ਰਸਾਇਣਕ ਮਿਸ਼ਰਨ:

ਫ਼ਲੂਥੀਆਸੇਟ ਮੇਥਾਈਲ ਕਿ.ਤ.	:	੧੦.੩੦% ਵ/ਵ
ਇਮਲਸੀਫ਼ਾਇਰ (ਇਥਾਕਸੀਲੇਟਡ ਫ਼ੈਟੀ ਗਲਿਸਰਾਈਡ)	:	੪.੫੦% ਵ/ਵ
ਇਮਲਸੀਫ਼ਾਇਰ (ਇਥਾਕਸੀਲੇਟਡ ਟੈਲੋ ਅਮਾਈਲ)	:	੦.੩੫% ਵ/ਵ
ਸਰਫ਼ੈਕਟੇਂਟ (ਅਲਕਾਈਲ ਅਰਾਈਲ ਸਲਫ਼ੋਨਿਕ ਏਸਿਡ)	:	੦.੧੬% ਵ/ਵ
ਸੀ ੧੧ ਘੋਲਕ (ਐਰੋਮੈਟਿਕ ਸਾਲਵੇਂਟ ਨਾਫ਼ਥਾ)	:	ਕਿਊ.ਐਸ.% ਵ/ਵ
ਕੁੱਲ	:	੧੦੦.੦੦% ਵ/ਵ

ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ : ਫ਼ਲੂਥੀਆਸੇਟ ਮੇਥਾਈਲ ੧੦.੩% ਈਸੀ ਸੋਇਆਬੀਨ ਵਿੱਚ ਹੇਠਲੇ ਨਦੀਨਾਂ'ਤੇ ਕਾਬੂ ਪਾਉਣ ਲਈ ਵਰਤਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਫ਼ਸਲ	ਕਾਬੂ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਨਦੀਨ	ਮਾ./ਹੈ.			ਆਖ਼ਰੀ ਸਪ੍ਰੇ ਤੋਂ ਕਟਾਈ ਤਕ ਉਡੀਕ (ਦਿਨ)
		ਕਿ.ਤ. (ਗ੍ਰਾ.)	ਫ਼ਾਰਮੂ. (ਮਿਲੀ.)	ਘੋਲ ਦਾ ਪਾਣੀ(ਲੀ.)	
ਸੋਇਆ-ਬੀਨ	ਕਾਮਲੀਨਾ ਸਪ. ਯਾਨੀ ਕਾਉਂ ਮੱਕੀ, ਡੀਜੇਰਾ ਅਰਵੇਨਸਿਸ, ਐਕਾਲੀਫ਼ਾ ਇੰਡੀਕਾ, ਅਮਰਾਂਥਸ ਵਿਰਡੀਮ ਯਾਨੀ ਚੌਲਾਈ	੧੩.੬	੧੨੫	੫੦੦	੭੩

ਸਪੈਸਿਫ਼ਿਕ ਗ੍ਰੈਵਿਟੀ: ੧.੦੬

ਨੋਟ: ਸਹਿ-ਪੈਕ ਅੰਦਰ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹਨ ਨਾਨ-ਆਯੋਨਿਕ ਸਰਫ਼ੈਕਟੇਂਟ (ਬਲੈਂਡ ਆਫ਼ ਐਕਰਿਲਿਕ ਪੋਲੀਮਰ (੧੦-੩੦%) ਅਤੇ ਪੋਲੀਈਥਾਨੋਕਸੀ ਈਥਰ ਡੈਰੀਵੇਟਿਵ (੧੦-੩੦%)] ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ੦.੨੫% ਅਨੁਸਾਰ ਸਪ੍ਰੇ ਕਰਨ ਵੇਲੇ ਸਪ੍ਰੇ ਘੋਲ ਵਿੱਚ ਵਰਤਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਵਰਤਣ ਲਈ ਹਿਦਾਇਤ: ਦਵਾ ਦੀ ਲੋੜੀਂਦੀ ਮਾਤਰਾ ਨਾਪ ਕੇ ਥੋੜ੍ਹੇ ਜਿਹੇ ਪਾਣੀ ਵਿੱਚ ਮਿਲਾਓ। ਫਿਰ ਇਸ ਵਿੱਚ ਬਾਕੀ ਦਾ ਪਾਣੀ ਅਤੇ ਨਾਨ-ਆਯੋਨਿਕ ਸਰਫ਼ੈਕਟੇਂਟ [ਬਲੈਂਡ ਆਫ਼ ਐਕਰਿਲਿਕ ਪੋਲੀਮਰ (੧੦-੩੦%) ਅਤੇ ਪੋਲੀਈਥਾਨੋਕਸੀ ਈਥਰ ਡੈਰੀਵੇਟਿਵ (੧੦-੩੦%)] ਸਪ੍ਰੇ ਦੇ ੦.੨੫% ਵੱਜੋਂ ਘੋਲ ਅੰਦਰ ਮਿਲਾ ਕੇ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਿਲਾਓ ਅਤੇ ਗਈ ਵਾਲਿਊਮ ਯਾਨੀ ਨੈਪਸੈਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਨਾਲ ਫ਼ਲੈਟ ਫ਼ੈਨ ਨੋਜ਼ਲ ਲਗਾ ਕੇ ਇਕਸਾਰ ਸਪ੍ਰੇ ਕਰੋ।

ਵਰਤੋਂ: ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਨੂੰ ਸਿਰਫ਼ ਪੱਤੀ ਛਿੜਕਾਅ ਵੱਜੋਂ ਹੀ ਸਪ੍ਰੇ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਬਿਹਤਰੀਨ ਨਤੀਜੇ ਲਈ ਫ਼ਲੂਥੀਆਸੇਟ ਮੇਥਾਈਲ ੧੦.੩੦% ਈਸੀ ਨੂੰ ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ੧੨-੧੫ ਦਿਨ ਬਾਅਦ ਘਾਹਾਂ ਦੀਆਂ ੨-੪ ਪੱਤੀਆਂ ਨਿਕਲਣ ਦੌਰਾਨ ਵਰਤੋ। ਬਿਹਤਰੀਨ ਨਤੀਜੇ ਲਈ ਸਪ੍ਰੇ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਕਸਾਰ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਕਰਨਾ ਚਾਹਿਦਾ ਹੈ।

ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ : ੧. ਵਰਤਣ ਲਈ ਸਿਰਫ਼ ਨੈਪਸੈਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਹੀ ਵਰਤੋ। ੨. ਦਵਾ ਨੂੰ ਨਾ ਤਾਂ ਖਿਲਾਰ ਕੇ ਪਾਓ ਅਤੇ ਨਾਂ ਹੀ ਰੇਤ ਨਾਲ ਮਿਲਾ ਕੇ ਵਰਤੋ। ੩. ਘੋਲ ਬਣਾਣ ਲਈ ਰਸੋਈ ਦੇ ਭਾਂਡੇ ਨਾ ਵਰਤੋ। ੪. ਘੋਲ ਸੋਟੀ ਜਾਂ ਡੰਡੇ ਨਾਲ ਰਲਾਓ। ੫. ਚਮੜੀ ਦੇ ਬਚਾਅ ਲਈ ਦਸਤਾਨੇ ਪਹਿਨੋ। ਸਾਹ ਅਤੇ ਅੱਖਾਂ ਵਿੱਚ ਦਵਾਈ ਦੀ ਹਵਾੜ ਜਾਣ ਤੋਂ ਬਚਾਅ ਰੱਖੋ। ੬. ਵਰਤੋਂ ਦੇ ਸਮੇਂ ਸੁੱਰਖਿਆ ਵਸਤਰ ਪਹਿਨੋ, ੭. ਜਿਵੇਂ ਮੁਖੌਟਾ, ਚਸ਼ਮਾ, ਬੂਟ ਆਦਿ ਅਤੇ ਫੁਹਾਰ ਨੂੰ ਸ਼ਰੀਰ ਉੱਤੇ ਨਾ ਪੈਣ ਦਿਓ। ਨੋਜ਼ਲਾਂ ਨੂੰ ਮੂੰਹ ਨਾਲ ਫੂਕਾਂ ਮਾਰਕੇ ਸਾਫ਼ ਨਾ ਕਰੋ। ੮. ਵਰਤੋਂ ਦੇ ਸਮੇਂ ਖਾਣਾ, ਪੀਣਾ, ਚਬਾਣਾ ਜਾਂ ਧੂਮਰਪਾਨ ਨਾ ਕਰੋ। ੯. ਬਾਕੀ ਬਚਿਆ ਘੋਲ ਸਾਂਭਕੇ ਨਾ ਰੱਖੋ। ੧੦. ਰੋਜ਼ ਕੰਮ ਖ਼ਤਮ ਕਰਕੇ ਸਪ੍ਰੇਅਰ, ਬਾਲਟੀਆਂ ਅਤੇ ਦੂਜੇ ਭਾਂਡੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਸਾਫ਼ ਕਰੋ। ੧੧. ਕੰਮ ਦੇ ਬਾਅਦ ਸਾਬਣ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਹੱਥ ਧੋਵੋਅਤੇ ਦੂਸ਼ਿਤ ਕਪੜੇ ਬਦਲੋ। ੧੨. ਦੂਸ਼ਿਤ ਕਪੜੇ ਧੋਵੋ। ੧੩. ਬਾਕੀ ਬਚੀ ਦਵਾਈ ਸੁਟਕੇ ਜਾਂ ਬਾਲਟੀ, ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਦੀ ਧੁਆਈ ਦਾ ਪਾਣੀ ਸੁਟਕੇ ਨਦੀ, ਨਾਲੇ, ਤਾਲਾਬ ਆਦਿ ਦਾ ਪਾਣੀ ਜ਼ਹਿਰੀਲਾ ਨਾ ਕਰੋ। ੧੪. ਜੇ ਜ਼ਹਿਰ ਦੇ ਲੱਛਣ ਹੋਣ ਤਾਂ ਫੌਰਨ ਡਾਕਟਰ ਨੂੰ ਸਦੋ।

ਸਾਵਧਾਨੀ: ਮੱਛੀਆਂ ਲਈ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਅਤੇ ਤਾਜ਼ਾ ਪਾਣੀ ਦੇ ਪ੍ਰਾਣੀਆਂ ਲਈ ਮਾਮੂਲੀ ਵਿਸ਼ੈਲਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਇਹਨੂੰ ਪਾਣੀ ਦੇ ਸੋਮਿਆਂ ਤੇ ਮੱਛੀ ਪਾਲਣ ਦੇ ਤਲਾਬਾਂ ਨੇੜੇ ਨਹੀਂ ਵਰਤਣਾ ਚਾਹੀਦਾ।

ਸਪ੍ਰੇ ਟੈਂਕੀ ਦੀ ਸਫ਼ਾਈ: ਛਿੜਕਾਅ ਦੇ ਬਾਦ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਅਤੇ ਸਾਰੇ ਬਰਤਨਾਂ ਦੀ ਫੌਰਨ ਸਫ਼ਾਈ ਕਰੋ, ਟੈਂਕ ਅਤੇ ਬਰਤਨ ਅੰਦਰੋਂ-ਬਾਹਰੋਂ ਸਾਫ਼ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਧੋਵੋ। ਟੈਂਕੀ ਬਿਲਕੁਲ ਖ਼ਾਲੀ ਕਰੋ। ਫੇਰ ੧੫ ਮਿਨਟ ਖੂਬ ਹਲਾਓ ਅਤੇ ਟੈਂਕੀ ਪੂਰੀ ਭਰਕੇ ਖ਼ਾਲੀ ਕਰੋ। ਹੁਣ ਫੇਰ ਤੋਂ ਸਾਫ਼ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਟੈਂਕੀ ਖੰਗਾਲੋ। ਧੁਆਈ ਦਾ ਪਾਣੀ ਜਮਾ ਕਰਕੇ ਐਸੇ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਢੰਗ ਨਾਲ ਨਿਪਟਾਓ ਕਿ ਹਵਾਪਾਣੀ ਵਿਚ ਜ਼ਹਿਰ ਨਾ ਫੈਲੇ।

ਵਿਸ਼ੈਲੇ ਅਸਰ ਦੇ ਲੱਛਣ: ਫ਼ਲੂਥੀਆਸੇਟ - ਮੇਥਾਈਲ ਨਾਲ ਹੋ ਸਕਣ ਵਾਲੇ ਵਿਸ਼ੈਲੇ ਅਸਰਾਂ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਜਾਣਕਾਰੀ ਹਾਸਲ ਨਹੀਂ ਹੈ।

ਫੌਰੀ ਇਲਾਜ: ਜੇ ਨਿਗਲਿਆ ਜਾਵੇ: ਜੇ ਵਿਅਕਤੀ ਹੋਸ਼ ਵਿੱਚ ਅਤੇ ਚੁਕੰਨਾ ਹੋਵੇ, ਤਾਂ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਕੁਰਲੀ ਕਰਵਾ ਦਿਓ ਅਤੇ ੧ ਜਾਂ ੨ ਗਲਾਸ ਪਾਣੀ ਪੀਣ ਲਈ ਦਿਓ। ਬੇਹੋਸ਼ ਵਿਕਤੀ ਨੂੰ ਕਦੇ ਵੀ ਮੂੰਹ ਰਾਹੀਂ ਕੁਝ ਨਾ ਦਿਓ। ਡਾਕਟਰ ਨੂੰ ਬੁਲਾਓ। ਉਦੋਂ ਤਕ ਉਲਟੀ ਨਾ ਕਰਵਾਓ ਜਦੋਂ ਤਕ ਇਲਾਜ ਕਰ ਰਿਹਾ ਡਾਕਟਰ ਨਾ ਚਾਹੇ। ਜੇ ਸਾਹ ਰਾਹੀਂ ਅੰਦਰ ਚਲਾ ਜਾਵੇ: ਮਰੀਜ਼ ਨੂੰ ਤਾਜ਼ੀ ਹਵਾ ਵਿੱਚ ਲੈ ਜਾਓ ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਤਾਪਮਾਨ ਦਾ ਖ਼ਿਆਲ ਰੱਖੋ। ਜੇ ਮਰੀਜ਼ ਨੂੰ ਸਾਹ ਨਹੀਂ ਆ ਰਿਹਾ ਜਾਂ ਸਾਹ ਲੈਣ ਵਿੱਚ ਤਕਲੀਫ਼ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ, ਤਾਂ ਬਣਾਵਟੀ ਸਾਹ ਦਿਓ, ਹੋ ਸਕੇ ਤਾਂ ਮੂੰਹ ਤੋਂ ਮੂੰਹ ਰਾਹੀਂ ਸਾਹ ਦਿਓ। ਡਾਕਟਰ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ। ਚਮੜੀ ਤੇ ਪੈਣ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ: ਵਾਲਾਂ ਅਤੇ ਉਂਗਲੀਆਂ ਦੇ ਨੌਹਾਂ ਸਮੇਤ ਸਰੀਰ ਦਾ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਭਾਗ ਸਾਬਣ ਲਾ ਕੇ ਕਾਫ਼ੀ ਸਾਰੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਧੋ ਲਓ। ਜੇ ਦਰਦ, ਲਾਲੀ ਜਾਂ ਜਲਣ ਜਾਰੀ ਰਹੇ, ਤਾਂ ਡਾਕਟਰ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ। ਸਾਰੇ ਦੂਸ਼ਿਤ ਕੱਪੜੇ ਵੱਖ ਕਰ ਲੈਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਵਰਤਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸਾਬਣ ਲਾ ਕੇ ਕਾਫ਼ੀ ਸਾਰੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਧੋ ਲੈਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਅੱਖਾਂ ਵਿੱਚ ਪੈਣ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ: ਘੱਟੋ-ਘੱਟ ੧੫ ਮਿੰਟਾਂ ਤਕ ਪਿਆਰ ਨਾਲ ਕਾਫ਼ੀ ਸਾਰੇ ਪਾਣੀ ਦੇ ਛਿੱਟੇ ਮਾਰੋ। ਜੇ ਦਰਦ, ਜਲਣ, ਲਾਲੀ ਜਾਂ ਚਾਨਣ-ਤ੍ਰਾਸ ਜਾਰੀ ਰਹੇ, ਤਾਂ ਡਾਕਟਰ ਦੇ ਮਾਹਰ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ।

ਸੋਇਆਬੀਨ ਤੇ ਫ਼ਲੁਥਿਏਸੇਟ ਮਿਥਾਇਲ ਦੀ ਵੱਧ ਤੋਂ ਵੱਧ ਰਹਿੰਦ ਸੀਮਾ ਐਫਐਸਐਸਏਆਈ ਦੁਆਰਾ ੦.੦੨ ਮਿਲੀਗ੍ਰਾਮ/ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਤੱਕ ਨਿਰਧਾਰਤ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

ਵਿਸ਼ਨਿਵਾਰਕ : ਲੱਛਣਾਂ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਇਲਾਜ ਕਰੋ। ਲੱਛਣਾਂ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਇਲਾਜ ਕਰੋ।

ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਰੱਖਣ ਲਈ ਖ਼ਾਸ ਹਾਲਤਾਂ: ੧. ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਦੇ ਪੈਕਿਟ ਹੋਰਾਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਖ਼ਾਸਕਰ ਖਾਣਪੀਣ ਦੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਵਾਲੇ ਕਮਰੇ ਯਾ ਅਹਾਤੇ ਤੋਂ ਦੂਰ, ਵਖਰੇ ਕਮਰੇ ਯਾ ਅਹਾਤੇ ਵਿਚ ਰੱਖੋ ਯਾ ਦਵਾਈ ਦੀ ਕਿਸਮ ਅਤੇ ਮਾਤਰਾ ਅਨੁਸਾਰ ਵਖਰੀ ਅਲਮਾਰੀ ਵਿਚ ਤਾਲਾ ਮਾਰਕੇ ਰੱਖੋ। ੨. ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਰੱਖਣ ਵਾਲੇ ਕਮਰੇ ਯਾ ਅਹਾਤੇ ਪੱਕੇ ਬਣੇ, ਸੁੱਕੇ, ਰੌਸ਼ਨੀ ਵਾਲੇ ਅਤੇ ਹਵਾਦਾਰ, ਅਤੇ ਖੁਲ੍ਹੇ-ਡੁਲੇ ਹੋਣ ਤਾਂਕਿ ਹਵਾੜ ਨਾਲ ਜ਼ਹਿਰ ਨਾ ਫੈਲੇ।

ਖਾਲੀ ਡਬਿਆਂ, ਬਚੀ-ਖੁਚੀ ਦਵਾਈ ਤੇ ਧੁਆਈ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ: ੧. ਉਤਪਾਦਕ, ਨੁਸਖੇਕਾਰ ਅਤੇ ਵਰਤਣ ਵਾਲੇ ਦਾ ਫ਼ਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਖ਼ਾਲੀ ਪੈਕਿਟ ਯਾ ਵਾਧੂ ਘੋਲ ਐਸੇ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਢੰਗ ਨਾਲ ਨਿਪਟਾਣ ਕਿ ਹਵਾਪਾਣੀ ਵਿਚ ਜ਼ਹਿਰ ਨਾ ਫੈਲੇ। ੨. ਖ਼ਾਲੀ ਪੈਕਿਟ ਬਾਹਰ ਨਾ ਛੱਡੋ ਤਾਂਕਿ ਦੁਬਾਰਾ ਨਾ ਵਰਤੇ ਜਾਣ। ੩. ਖ਼ਾਲੀ ਪੈਕਿਟ ਤੋੜਕੇ ਆਬਾਦੀ ਤੋਂ ਦੂਰ ਦੱਬ ਦਿਓ।

ਨਿਰਮਾਤਾ ਅਤੇ ਵਿਕਰੇਤਾ: **ਐਫ਼ਐਮਸੀ ਇੰਡਿਯਾ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਲਿਮਿਟਡ,**
ਟੀਸੀਜੀ ਫਾਈਨੈਂਸ਼ਿਯਲ ਸੈਂਟਰ, ੨ਰੀ ਮੰਜ਼ਿਲ, ਸੀ-੫੩, ਬਾਂਦਰਾ ਕੁਰਲਾ ਕੰਪਲੈਕਸ,
ਬਾਂਦਰਾ(ਪੂ), ਬਾਂਦਰਾ ਸਬਰਬਨ, ਮੁੰਬਈ - ੪੦੦੦੯੮, ਮਹਾਰਾਸ਼ਟ੍ਰਾ, ਭਾਰਤ.
ਫ਼ੈਕਟਰੀ: ਸਰਵੇ ਨੰ. ੨੧੬/੧ -੨੧੬/੨, ਪਿੰਡ ਅਤੇ ਪੋਸਟ : ਚੰਦਰਪੁਰਾ, ਤਾਲੁਕਾ : ਹਲੋਲ,
ਜ਼ਿਲਾ : ਪੰਚਮਹਲ-੩੮੯੩੫੦, ਗੁਜਰਾਤ ।

గ్యాలాక్సీ

ఫ్లుథియాసెట్-మిథైల్ 10.3% ఇసి
కలుపునాశని
(స్వదేశీంలోనే తయారీ మరియు వాడుట కోసం)

ఫ్లుథియాసెట్-మిథైల్ 10.3% ఇసి అనేది కలుపుమొక్కలు మొలిచిన పిదప వాడబడే, ఎంపిక చేయబడిన మరియు స్పర్శచర్య ద్వారా పనిచేసే కలుపునాశని, ఇది సోయాబీన్ పంటనాశించే వెడల్పాటి ఆకులుగల కలుపుమొక్కలను అరికట్టుటకై వాడబడుతుంది.

రసాయనిక మిశ్రమము:

ఫ్లుథియాసెట్-మిథైల్ సక్రియ పదార్థము	:	10.30% బ/బ
ఎమల్సిఫయర్(ఎథోక్సిలేటెడ్ ఫ్యాటీ గ్లిసెరైడ్)	:	4.50% బ/బ
ఎమల్సిఫయర్(ఎథోక్సిలేటెడ్ ట్యాలో అమైన్)	:	0.35% బ/బ
సర్ఫెక్టెంట్ (అల్కైల్ ఆరైల్ సల్ఫోనిక్ ఆసిడ్)	:	0.16% బ/బ
సి 11 సాల్వెంట్ (అరోమ్యాటిక్ సాల్వెంట్ నాఫ్తా)	:	తాయారీకి చాలినంత % బ/బ
మొత్తం	:	100% బ/బ

సిఫారసులు: ఫ్లుథియాసెట్-మిథైల్ 10.3% ఇసి, సోయాబీన్ పంటనాశించే వెడల్పాటి ఆకులుగల కలుపు మొక్కలను అరికట్టుటకై, ఆకులపై జల్లుకోడానికి మాత్రమే వాడబడుతుంది.

పంట	అరికట్టగల కలుపుమొక్కలు	హెక్టారుకు మోతాదు			వేచివుండాల్సిన సమయం (చివరి స్ప్రే నుండి కోతకాలం వరకూ)
		స.ప. (గ్రాముల్లో)	సూత్రీకరణ (మి.లీ.)	కరిగించుటకు నీరు (లీటర్లలో)	
సోయాబీన్	ఆనుడకాడ, సీరంటకూర, మురిపిండాకు, చిలకతోటకూర	13.6	125	500	73

స్పెసిఫిక్ గ్రావిటీ ; 1.06

సూచన : ఈ ప్యాక్‌నందు నాన్-అయానిక్ సర్ఫెక్టెంట్ (బ్లెండ్ ఆఫ్ ఏక్రలిక్ పాలిమార్ (10-30%) మరియు పాలీఎథొనాక్సీ ఈథర్ డెరివేటివ్ (10-30%),లను స్ప్రేయింగ్ చేసేటప్పుడు 0.25% చొప్పున స్ప్రే ద్రావకాన్ని జల్లుకోవాలి.

వాడుటకు సూచనలు : ముందుగా కావలినంత పరిమాణంలో ఉత్పాదనను తీసుకొని దానికి కొద్దిగా నీరుపోసి బాగా కలియబెట్టుకుంటూ చిక్కని ద్రావకాన్ని తయారుచేసుకోవాలి. దానికి మిగతా నీటి పరిమాణాన్ని మరియు **నాన్-అయానిక్** సర్ఫెక్టెంట్ (బ్లెండ్ ఆఫ్ ఏక్రలిక్ పాలిమార్ (10-30%) మరియు పాలీఎథొనాక్సీ ఈథర్ డెరివేటివ్ (10-30%),లను కలిపి బాగా కలియబెట్టుకుంటూ 0.25% చొప్పున స్ప్రే ద్రావకాన్ని తయారుచేసుకోవాలి. దీన్ని ఫ్లాట్ ఫ్యాన్ నాజిల్ బిగించబడిన న్యాప్‌స్యాక్ స్ప్రేయర్‌తో హైవాల్యూం అప్లికేషన్ పద్ధతిలో పిచికారి చేసుకోవాలి.

వాడకము : ఈ కలుపునాశనిని ఆకులపై జల్లుకోడానికి మాత్రమే వాడబడుతుంది. ఫ్లుథియాసెట్-మిథైల్ 10.3% ఇసి వాడకం వలన మంచి ఫలితాలను పొందాలంటే; కలుపుమొక్కలు 2 నుచి 4 ఆకులుతొడిగిన దశలో లేదా సాధారణంగా పంట విత్తిన 12 నుంచి 15 రోజుల తర్వాత జల్లుకోవాలి. అంతేగాక దీన్ని జల్లుకోవాల్సి ప్రాంతమంతా చక్కగా అలుముకుపోయేలా ఏకరీతిలో జల్లుకోవాలి.

ముందు జాగ్రత్తలు : 1. దీన్ని న్యాప్‌స్యాక్ స్ప్రేయర్‌తో మాత్రమే జల్లుకోవాలి. 2. దీన్ని వెదజల్లుకోవడం, లేదా ఇసుకతో కలిపి జల్లుకోవడంలా చేయరాదు. 3. మందును కలుపుటకు వంటపాత్రలను వాడరాదు. 4. పిచికారీ ద్రావకాన్ని కలుపుటకు కర్రను వాడండి. 5. చర్మానికి అంటుకొనకుండ ఉండటానికి చేతి తొడుగులను ధరించండి. 6. అంతేకాకుండా పీల్చడంగాని మరియు కళ్ళలో పడకుండా చూచుకోండి. 7. రక్షణనిచ్చు దుస్తులు, మూతిముసుగు, కళ్ళద్దాలు, బూట్లు ధరించవలెను. స్ప్రే తుంపరలు మీద పడకుండా జాగ్రత్త వహించవలెను. 8. నాజిల్‌ను నోటితో ఊదరాదు. 9. ఈ ఉత్పాదనను కలుపుతున్నప్పుడు పిచికారి చేస్తున్నప్పుడు. తినడం, త్రాగడం, నమలడం లేక పొగత్రాగడం చేయరాదు. 10. మిగిలిపోయిన పదార్థమును నిల్వయుంచరాదు. వాడిన తరువాత స్ప్రేయర్లను, బకెట్లను మరియు ఇతర సామాన్లను నీటితో శుభ్రం చేసుకోవాలి. 11. చేతులను సబ్బురుద్దుతూ ఎక్కువ నీటితో శుభ్రపరుచుకోవాలి మరియు స్ప్రే చేసిన వెంటనే దుస్తులను మార్చుకొనవలెను. 12. కలుషితమైన దుస్తులను ఉతకవలెను. 13. మిగిలిపోయిన పిచికారీ ద్రావకాన్ని లేక పరికరాలు కడుగగా వచ్చిన నీటిని నదులలో, కొలనులలో పారవేసి కలుషితము చేయరాదు. 14. ఒకవేళ ఏమైనా విషలక్షణాలు కనబడిన యెడల వెంటనే డాక్టరుని సంప్రదించండి.

హెచ్చరిక : ఇది చేపలకు అధిక స్థాయిలో విషపూరితమైంది మరియు మిగతా జలచరాలకు ఓ మాదిరిగా విషపూరితమైంది. గనుక జలచరాలు మరియు చేపలపెంపకం చేసేచోట దీనిని వాడరాదు.

స్ప్రే ట్యాంక్ శుభ్రపర్చుకోవడం: వాడటం అయిన వెంటనే, ఈ ద్రావకం కలుపుకొనే పాత్రలు, స్ప్రే పరికరాల బయట, లోపల శుభ్రమైన నీటితో శుభ్రపర్చుకోవాలి. ఆ తర్వాత ట్యాంక్‌లో నీరు ఫుల్‌గా నింపి బాగా కలియబెడ్తూ శుభ్రపర్చుకోవాలి. ఇలా వచ్చిన నీటిని మంచినీరు, నీటివనరులు, పరిసరాలు కలుషితంకాకుండా కడు జాగ్రత్త వహిస్తూ పారవేసుపోవాలి.

విషలక్షణాలు: సాధారణంగా ఫ్లుథియాసెట్-మిథైల్ వలన సంభవించే విషలక్షణాలు ఫలానా అంటూ ఏమీలేవు. కళ్ళలో ఓ మోస్తరుగా దురద పుట్టొచ్చు.

ప్రథమచికిత్స: ఒకవేళ మ్రింగినట్లయితే: ఒకవేళ విషపూరితమైన వ్యక్తి స్పృహలోనూ మరియు చురుకుగా వున్నట్లయితే,నీటితో నోరు బాగా పుక్కిలించేలా చేసి 1 లేదా 2 గ్లాసుల నీరు త్రాగించాలి. స్పృహలోలేని వ్యక్తికి నోటిద్వారా ఏదీ ఇవ్వరాదన్న విషయం గుర్తుంచుకోవాలి. డాక్టర్‌గార్ని వెంటనే పిలవాలి.వీరిని పర్యవేక్షించే డాక్టర్‌గారి అనుమతి లేకుండా, రోగిని వాంతి చేయించుటకు ప్రేరేపించరాదు. ఒకవేళ పీల్చినట్లయితే: రోగిని వెంటనే ఆరుబయటకు తరలించాలి మరియు తన బాడీ టెంపరేచర్ పెరగకుండా చూస్తూవుండాలి.ఒకవేళ రోగి శ్వాస పీల్చలేని స్థితిలోనున్నా లేదా పీల్చడంలో ఇబ్బందిగావున్నా తనకు కృత్రిమ శ్వాస కల్పించాలి. అందుకోసం తన నోటిలో వేరే వారు నోరుపెట్టి శ్వాస కల్పించాలి.వెంటనే డాక్టర్‌గార్ని సంప్రదించడం మంచిది. ఒకవేళ చర్మానికి అంటినట్లయితే: కలుషితమైన శరీరభాగాలనే గాక,జుట్టు మరియు గోళ్ల క్రింద కూడా సబ్బు వాడుతూ శుభ్రమైన ఎక్కువ నీటితో శుభ్రపర్చుకోవాలి. ఒకవేళ శరీరం ఎర్రబడినా లేదా దద్దురు,దురదలున్నా మరి నొప్పివున్నా డాక్టర్‌గార్ని సంప్రదించాలి.కలుషితమైన బట్టలను వెంటనే తీసివేసి, వాటిని వేరుగా ఉతికించి , ఆరబెట్టిన పిదపే తిరిగి వాడాలి. ఒకవేళ కళ్ళలో పడినట్లయితే: కనీసం 15 నిమిషాల వరకూ కళ్ళలో నీరెక్కువ కొట్టుకుంటూ జాగ్రత్తగా కళ్ళు కడుక్కోవాలి. శుభ్రమైన ఎక్కువ నీటితో శుభ్రపర్చుకోవాలి. ఒకవేళ శరీరం ఎర్రబడినా లేదా దద్దురు,దురదలున్నా , నొప్పివున్నా అలాగే వెలుగుచూసి భయపడటం లాంటి లక్షణాలుంటే వెంటనే కళ్ల డాక్టర్‌గార్ని సంప్రదించాలి.

సోయాబీన్ పంట మీద ఫ్లుథియాసెట్ మిథైల్ యొక్క గరిష్ట అవశేషాల పరిమితిని 0.02ఎమ్‌జి/కేజీ గా FSSS నిర్ణయిస్తుంది.

ఔషధ చికిత్స: ఫలానా విరుగుడు అంటూ ఏమీలేదు. విషలక్షణాలనుబట్టి చికిత్స నివ్వాలి.

కలుపునాశనిని నిల్వ చేసే పరిస్థితులు: 1. ఈ కలుపునాశనిగల ప్యాకేజీలను వాటి యొక్క ఒరిజినల్ ప్యాకెట్లలోనే వుంచి యితర పదార్థాలు నిల్వ చేసే గదులు లేదా ఆవరణలలో గాకుండా వాటి యొక్క సైజును మరియు పరిమాణాన్నిబట్టి వేరువేరు అలమారాలలో పెట్టి తాళం వేసి బిగించి మాత్రమే నిల్వ చేయాల్సి వుంది. 2. ఈ కలుపునాశనిని నిల్వ చేసే గదులు లేదా ఆవరణలు గట్టి కట్టడముల్లై, మంచి గాలీ, వెలుతురు ప్రసరించేలా విశాలంగా వుండి తీరాలి. తద్వారా దీని ఆవిరివలన పరిసరాలు కలుషితం కాకుండా కాపాడుకోవచ్చు.

ఖాళీ డబ్బాలు లేదా ప్యాకేజీలు, మిగిలిపోయిన మందు, పరికరాలు కడుగగా వచ్చిన నీటిని పారవేయు విధానము: 1. ఖాళీ ప్యాకేజీలు, మిగిలిపోయిన మందు, పరికరాలు కడుగగా వచ్చిన నీరు మొదలగు వాటిని పారవేయుటలో దీని తయారీదారులు, సూత్రీకరణ సూత్రదారులు మరియు దీన్ని వాడేవారు పరిసరాలు, నీరు నీటి వనరులు కలుషితం కాకుండా పారవేయాల్సిన బాధ్యత తీసుకోవలసి వుంది. 2. ఖాళీ డబ్బాలను తిరిగి ఏవిధంగానూ వాడరాదు గనుక వాటిని అలా బయట పారవేయరాదు. 3. ఖాళీ డబ్బాలను పగులకొట్టి మనుష్య సంచారానికి దూరంగా పాతిపెట్టాలి.

మార్కెట్ మరియు తయారు చేయువారు: **ఎఫ్ ఎమ్ సి ఇండియా ప్రైవేట్ లిమిటెడ్,**
టిసిజి ఫైనాన్షియల్ సెంటర్, 2వ అంతస్తు, సి-53, బాంద్ర కుర్ల కాంప్లెక్స్,
బాంద్ర (తూర్పు) బాంద్ర సబర్బన్, ముంబాయి - 400098, మహారాష్ట్ర, ఇండియా.
ఫ్యాక్టరీ: ఎస్. నం. 216/1-216/2, విలేజ్ మరియు మండలం: చంద్రపూర్, జిల్లా : హాలోల్,
డిస్ట్రిక్ : పంచ్‌మహల్-389350, గుజరాత్.

INSTRUCTIONS FOR USE

GALAXY®

Fluthiacet-methyl 10.3% EC
Herbicide
(FOR INDIGENOUS MANUFACTURE AND USE)

गेलेक्सी®

फलूथियासेट – मिथाइल १०.३% विलेय सान्द्रण
खरपतवारनाशक
(स्वदेशी उत्पादन एवं उपयोग के लिए)

ગેલેક્સી®

ફલથિએસેટ-મિથાઈલ ૧૦.૩% ઈસી
નીંદણનાશક
(સ્વદેશી ઉત્પાદકો તથા ઉપયોગ માટે)

FMC

Galaxy® is a registered trademark of FMC Corporation or an affiliate

Manufactured and Marketed by:
FMC India Private Limited,
TCG Financial Centre, 2nd Floor, C-53,
Bandra Kurla Complex,
Bandra (E), Bandra Suburban,
Mumbai – 400098, Maharashtra, India.
Factory : Survey No. 216/1 & 216/2,
Village and Post : Chandrapura, Tal. Halol ,
Dist. Panchmahal- 389 350, Gujarat.

Customer care representative
Phone: **+91-22-6704 5404** or
Email: **customer.care@fmc.com** or
write us at above address of
FMC India Pvt. Ltd.

निर्माता एवं विपणनकार्ता:
एफएमसी इंडिया प्राईवेट लिमिटेड,
टीसीजी फाइनेंशियल सेंटर, २ री मंजिल, सी–५३,
बांद्रा कुर्ला कॉम्पलेक्स, बांद्रा (पूर्व), बांद्रा सबर्बन,
मुंबई – ४०००९८, महाराष्ट्रा, भारत.
फैक्टरी : सर्वे नं.२१६/१ और २१६/२,
गांव और पोस्ट : चंद्रपुरा, तालूका– हलोल,
डिस्ट. पंचमहल– ३८९३५०, गुजरात.

ઉત્પાદક તથા વિક્રેતાઃ
એફ એમ સી ઈંડિયા પ્રાઈવેટ લિમિટેડ,
ટીસીજી ફાઈનૅંશિયલ સૅંટર, 2 જા માળે, સી -53,
બાંદ્રા કુર્લા કોમ્પલેક્સ, બાંદ્રા (પૂર્વ), બાંદ્રા સબર્બન,
મુંબઈ - 400098, મહારાષ્ટ્ર, ભારત.
ફૅક્ટરી : સર્વે નં. ૨૧૬/૧ અને ૨૧૬/૨,
ગામ અને પોસ્ટઃ ચંદ્રાપુર, તાલુકો હલોલ ,
જિલ્લોઃ પંચમહાલ- ૩૮૯૩૫૦, ગુજરાત.